प्रार्थना

ॐ श्री गणेशाय नमः।।

ॐ श्री सरस्वत्यै नमः।।

ॐ भूर् भुवः स्वः। तत् सवितुर्वरेण्यं।।

भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥

ॐ सरस्वती मया दृष्ट्वा, वीणा पुस्तक धारणीम।

हंस वाहिनी समायुक्ता मां विद्या दान करोतु में ऊँ।।

हे प्रभु,

मैं जो कुछ पढ़ूँ उसका अर्थ और फल न भूलूँ।

उसे तुच्छ न समझूँ।।

मेरी बुद्धि इस योग्य हो कि,

मैं भले बुरे की पहचान कर सकूँ ।।

मैं अपना काम समय पर करूँ ।।

अपने गुरुओं और माता-पिता की आज्ञा का पालन करूँ ।।

पढ़ने में ध्यान लगाऊँ ।।

उत्तम पुस्तकें पढ़ूँ ।।

अच्छी बातें सीखूँ।।

मीठी वाणी बोलूँ ।।

बड़ों का आदर करूँ ।।

बुरे कर्मो से सदा दूर रहूँ । ।

मेरे दिल में सब के लिए प्रेम हो और ईश्वर में श्रद्धा हो ।

क्रोध, जलन और द्वेष न रखते हुए,

मैं सबकी सेवा और ईश्वर की आराधना कर सकूँ ।।

इसलिए हे प्रभु।

आपसे प्रार्थना है मेरी, ये प्रार्थना है मेरी।।